उम्र का कोई असर नहीं माधुरी पर

माधुरी दीक्षित बॉलीवुड की अभिनेत्रियों की उम्र से जुड़ी धारणा से सरोकार नहीं रखतीं। बॉलीवुड अभिनेत्रियों के बारे में धारणा है कि अभिनय के क्षेत्र में अभिनेत्रियों का कार्यकाल अल्प अवधि का होता है और वे शादी के बाद काम नहीं कर सकतीं। माधुरी कहती हैं कि उम्र मेरे लिए सिर्फ एक संख्या के समान है। प्रतिभा हर उम्र में एक समान होती है चाहे आप 10, 20 या 100 के हों। मेरा मानना है कि उम्र के साथ यह और निखरती जाती है। वह कहती हैं कि शर्मीला टैगोर, राखी जी ने शादी के बाद भी काम किया। हां, ये सच है कि इनमें कुछ ने इससे दूरी बना ली और वह उनका खुद का फैसला था। कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं जिन्होंने काम किया।

80 और 90 के दशक में माधुरी बॉलीवुड की चमकता सितारा थीं और इस दशक में उन्होंने बॉलीवुड पर राज किया था। लेकिन डॉ. श्रीराम नेने से शादी के बाद वे अमेरिका चली गई थीं और वर्ष 2011 में वे देश लौटी थीं। अमेरिका प्रवास के दौरान भी वे दर्शकों से दूर नहीं रह पाई क्योंकि वे देश आती जाती रहीं और 'देवदास' और 'आजा नच ले' जैसी फिल्मों में काम किया। वापसी के बाद माधुरी कई टीवी कार्यक्रमों, विज्ञापनों और फिल्मों में व्यस्त रहीं और अब वर्ष 2014 में फिल्म 'डेढ़ इश्किया' की सफलता के बाद उनकी दूसरी फिल्म 'गुलाब गैंग' रिलीज हुई। माधुरी का मानना है कि पहले की अपेक्षा फिल्म नगरी में महिलाएं कहीं अधिक सक्रिय हैं। पहले बहुत कम महिला निर्देशक हुआ करती थीं लेकिन अब कई महिलाएं फिल्म निर्माण के कार्य से जुड़ी हैं।

पूर्व में अपने कॅरियर के शीर्ष पर रहते हुए माधुरी दीक्षित और जूही चावला ने कभी साथ काम नहीं किया था लेकिन अब दोनों पहली बार फिल्म 'गुलाब गैंग' में साथ काम कर रही हैं। फिल्म में दोनों क्रमश: नायिका और खलनायिका के किरदार में हैं। अपने साक्षात्कारों में जूही ने कहा कि दोनों ने संभवत- इस वजह से साथ काम नहीं किया क्योंकि उस समय अभिनेत्रियों के बीच बहुत प्रतिस्पर्धा थी। लेकिन माधुरी का कहना है कि उन्होंने जूही को कभी भी अपनी प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखा और जूही के साथ आखिरकार काम करने का मौका प्रेरित करने वाला था। 'गुलाब गैंग' 7 मार्च को रिलीज हो रही है।

माधुरी कहती हैं कि मैंने उन्हें कभी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर नहीं देखा। मुझे कभी भी किसी के भी साथ काम करने में हिचक नहीं रही। मेरा मानना है कि हम कलाकार हैं ना कि सीमा रेखा की तरफ दौड़ते हुए घोड़े। यह एक रचनात्मक क्षेत्र है और हम कुछ किरदार पसंद करते हैं, कुछ लोगों को पसंद करते हैं और उनके साथ काम करते हैं। वह कहती हैं कि ऐसा नहीं है कि मैंने पहले दो नायिकाओं वाली फिल्मों में काम नहीं किया है। मैं प्रीति जिंटा (ये रास्ते हैं प्यार के), ऐश्वर्या राय (देवदास) और करिश्मा कपूर (दिल तो पागल है) के साथ काम कर चुकी हूं।

46 वर्षीय अभिनेत्री बताती हैं कि 'गुलाब गैंग' में जूही को काम करते देखना प्रेरणादायक था और सौमिक सेन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दोनों के बीच कई दृश्य हैं। माधुरी कहती हैं कि यह शानदार है कि आखिरकार हमने साथ काम किया। वह एक अच्छी अभिनेत्री हैं। एक और अच्छी अभिनेत्री को अपने साथ काम करते देखना प्रेरणादायक होता है। फिल्म में हमारे बीच तनातनी वाले दृश्य हैं और मैं उनके साथ दोबारा जरूर काम करना चाहूंगी।

1984 में 'अबोध' से रूपहले पर्दे पर पहली बार उतरने वाली माधुरी ने 'तेजाब', 'बेटा', 'दिल', 'हम आपके हैं कौन', 'पुकार' और 'दिल तो पागल है' जैसी कई हिट फिल्मों की सफलता से दर्शकों के दिलों पर राज किया। हाल में आयी उनकी फिल्म 'डेढ़ इश्किया' भी बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। 'गुलाब गैंग' में माधुरी ने महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने वाली न्याय साधक की भूमिका निभायी है। माधुरी कहती हैं कि यह एक मजबूत किरदार है। जब सौमिक मेरे पास कहानी लेकर आए, मुझे लगा कि यह मनोरंजक, उलझन भरी कहानी है और इसमें एक सुंदर संदेश है।